प्रिन्ट मीडिया

बालश्रम एवं बालभिक्षावृति तथा पुनर्वास पर एक दिवसीय कार्यशाला

देवपथ | आस-पास | देहरादून, शनिवार 20 मई 2023 (8)

बालश्रम वाले एक-एक बच्चे को गोद लेने का लें संकल्प, रेखा आर्य

देहरादून,20 मई (निःसं)।

बच्चों को शिक्षा और बचपन से दूर कर देता है बाल श्रम

मंत्री रेखा आर्य ने किया बाल भिक्षावृत्ति को रोकने का आह्वान

उत्तर उजाला ब्यूरो

देहरादून। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने देहरादून स्थित आईआरडीटी सभागार में उत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा बालश्रम एवं बाल भिक्षावृत्ति उन्मूलन तथा पुनर्वास हेतु आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत किया। कार्यशाला का शुभारंभ अथितियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने इस कार्यशाला के जरिये सभी से बालश्रम व बालभिक्षावृत्ति को रोकने का आह्वान किया कहा कि बाल मजदूरी कहीं ना कहीं बच्चों को उनके बचपन,स्वास्थ्य और शिक्षा से वंचित करती है,जो कि बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन है।उन्हें भी गरिमामयी जीवन जीने का अधिकार है।ऐसे में बच्चों को इससे दूर रखने की जरूरत है,ताकि वह भी एक बेहतर जीवन सके। वहीं उन्होंने कहा कि आज सरकार बाल श्रमिकों के परिवार को वैकल्पिक रोजगार मुहैया करा रही है,साथ ही बाल श्रम से विमुक्त बाल श्रमिकों को समुचित शिक्षा भी दी जा रही है ताकि वह शिक्षित नागरिक बन सके व देश के निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकें।उन्होंने बाल

अधिकार संरक्षण आयोग के समस्त पदाधिकारियों से मेला एवं भीड़ वाली जगह पर जन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत स्टॉल लगाए जाने,आयोग की ओर से प्रकाशित फोल्डर, पंपलेट,हैंडबिल का वितरण किए जाने की बात कही,ताकि सभी मे जागरूकता फैले। साथ ही कहा कि यह समस्त बच्चे देश का भविष्य हैं, बच्चों की शिक्षा स्वास्थ्य एवं विकास हेतु यह आवश्यक है कि उनको बाल श्रम से दूर रखा जाय।

बाल श्रम एक सामाजिक एवं आर्थिक बुराई है, जिसे सरकारी विभागों के साथ-साथ समाज के सभी वर्गों के सामूहिक प्रयास से ही दूर किया जा सकता है।साथ ही बच्चों की प्राथमिक शिक्षा अवधि से ही निरन्तर मानीटरिंग की जानी चाहिए। इस अवसर पर बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती गीता खन्ना,एसके सिंह सहित विभागीय अधिकारी व समस्त बच्चे उपस्थित रहे।

उत्तराखंड

बद्री विशाल

बाल श्रम वाले एक-एक बच्चे को गोद लेने का लें संकल्प: रेखा आर्य

बाल आयोग ने बाल श्रम से बच्चों के बचाव एवं पुनर्वास पर दिया जोर

देहरादून। उत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा बालश्रम एवं बालभिक्षावृत्ति उन्मूलन तथा पुनर्वास पर एक दिवसीय कार्यशाला, आईआरडीटी ऑडिटोरियम, सर्वे चौक में आयोजित की गई। [illegible]

बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने बालश्रम व बाल भिक्षावृत्ति को रोकने का आह्वान, कहा-

बच्चों को रखें बाल श्रम से दूर

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

- बाल श्रम और भिक्षावृत्ति बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन
- सरकार बाल श्रम से विमुक्त बच्चों को दे रही है शिक्षा
- बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास का रखें विशेष ध्यान

महिला सशक्तिकरण और बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने बालश्रम व बाल भिक्षावृत्ति को रोकने का आह्वान करते हुए कहा कि बाल मजदूरी कहीं न कहीं बच्चों को उनके बचपन, स्वास्थ्य और शिक्षा से वंचित करती है। यह बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन है। बच्चों को भी गरिमामयी जीवन जीने का अधिकार है। ऐसे में बच्चों को इससे दूर रखने की जरूरत है, ताकि वह भी एक बेहतर जीवन जी सके।

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या शनिवार को आईआरडीटी सभागार में उत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की ओर से बाल श्रम और बाल भिक्षावृत्ति उन्मूलन व पुनर्वास के लिए आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि बोलीं। उन्होंने कहा कि आज सरकार बाल श्रमिकों के परिवार को वैकल्पिक रोजगार मुहैया करा रही है। इसके साथ ही बाल श्रम से विमुक्त बाल श्रमिकों को समुचित शिक्षा भी दी जा रही है, ताकि वह शिक्षित नागरिक बन सके व देश के निर्माण में अपनी भूमिका निभा सके।

कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या।

उन्होंने बाल अधिकार संरक्षण आयोग के समस्त पदाधिकारियों से मेला और भीड़ वाली जगह पर जन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत स्टाल लगाए जाने व आयोग की ओर से प्रकाशित फोल्डर, पंपलेट, हैंडबील का वितरण किए जाने की बात कही। ताकि सभी में जागरूकता फैले। इसके साथ ही कहा कि यह समस्त बच्चे देश का भविष्य हैं। बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं विकास के लिए यह आवश्यक है कि उनको बाल श्रम से दूर रखा जाए।

उन्होंने कहा बाल श्रम एक सामाजिक और आर्थिक बुराई है, जिसे सरकारी विभागों के साथ-साथ समाज के सभी वर्गों के सामूहिक प्रयास से ही दूर किया जा सकता है। इसके साथ ही बच्चों की प्राथमिक शिक्षा अवधि में ही निरन्तर मानीटरिंग की जानी चाहिए।

कार्यशाला में बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष गीता खन्ना, एसके सिंह सहित विभागीय अधिकारी आदि उपस्थित थे।

अच्छा जीवन जीने के लिए बच्चों को बाल श्रम से दूर रखना जरूरी: रेखा आर्या

सिटी टाइम्स संवाददाता

देहरादून। देहरादून। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने कार्यशाला में मुख्य अतिथि के तौर पर कहा कि इस कार्यशाला के जरिये सभी से बालश्रम व बालभिक्षावृत्ति को रोकने का आह्वाहन किया कहा कि बाल मजदूरी कहीं ना कहीं बच्चों को उनके बचपन,स्वास्थ्य और शिक्षा से वंचित करती है जो कि बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन है,उन्हें भी गरिमामयी जीवन जीने का अधिकार है,ऐसे में बच्चों को इससे दूर रखने की जरूरत है,ताकि वह भी एक बेहतर जीवन जी सकें।

शनिवार को उत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा बालश्रम एवं बालभिक्षावृत्ति उन्मूलन तथा पुनर्वास पर एक दिवसीय कार्यशाला, आईआरडीटी ऑडिटोरियम, सर्वे चौक, देहरादून में आयोजित की गई, जिसमें बाल विकास एवं महिला सशक्तिकरण मंत्री रेखा आर्या ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने बालश्रम, बालभिक्षावृत्ति उन्मूलन तथा पुनर्वास पर की एक दिवसीय कार्यशाला बालश्रम व भिक्षावृत्ति अब ऑर्गेनाइज्ड क्राइम नहीं, बल्कि अभिभावकों से प्रेरित : डॉ गीता

इस मौके पर उत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ गीता खन्ना ने कहा कि बालश्रम और भिक्षावृत्ति अब ऑर्गनाईज्ड माफिया क्राईम न होकर अभिभावकों द्वारा प्रेरित है और उसका कारण गरीबी और अज्ञानता, निम्न स्तर की जीवन शैली, रोटी, कपड़ा और मकान से जुड़ी जीवन से ज्ञान और आदतों का एक अव्यवहारिक व्यवहार है।

उत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोग अध्यक्ष डॉ गीता खन्ना के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम का डा पुनर्वासिता अनुसचिव ने सफल आयोजन किया। कार्यशाला में आयोग के सदस्य विनोद कपरवाण व धर्म सिंह शामिल हुए।

आयोग की अध्यक्ष डा. गीता खन्ना ने कार्यशाला का शुभारंभ किया, जिसमें उन्होंने बालश्रम, बाल भिक्षावृत्ति उन्मूलन तथा पुनर्वास जैसे गम्भीर मुद्दों पर आयोग स्तर से जागरूकता फैलाने जाने तथा प्रदेश स्तर पर सभी विभागों को एकजुट होकर कार्यवाही किये जाने के लिए अनुरोध किया। डॉ गीता खन्ना ने अभिभावकों या पुर्नवास में कमी को एक बहुत बड़ा कारण बताया। बच्चों के बचाव व पुर्नवास

डीजीपी ने ऑपरेशन मुक्ति पर दिया संबोधन

कार्यशाला में पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने ऑपरेशन मुक्ति पर वक्तव्य प्रस्तुत किया। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि प्रदेश में पुलिस विभाग द्वारा भिक्षावृत्ति एवं बालश्रम की रोकथाम के लिए जगह जगह पर जागरूकता अभियान चलाये जाते को नुक्कड़ नाटक कराये जायेंगे तथा साथ ही आयोग के सभी गम्भीर मुद्दों पर सहयोग का आश्वासन दिया गया। एसपी सर्व एएचटी ... ने बालश्रम और बाल कल्याण पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया।

के महत्व पर जोर देते हुये परिवार की सही सलाहों व मार्गदर्शन दिये जाने के लिए जोर दिया गया। ऑपरेशन मुक्ति की ओर से नीरज सेमवाल, सीओ सिटी, (एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट) द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। गायत्री देवी, रेलवे पुलिस फोर्स ने बाल श्रमिकों व भिक्षावृत्ति से रेस्क्यू किये गये बच्चों की रिपोर्ट सम्बन्धी जानकारी व चुनौतियों से अवगत कराया। कार्यशाला में ममता रौथाण, विधि अधिकारी, उत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोग, अंजना गुप्ता, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग डा. अर्जुन सिंह सेंगर, नोडल अधिकारी, बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, चाईल्डलाईन से दीपिका पंवार, रेलवे चाईल्डलाईन से गिरीश डिमरी, आसरा ट्रस्ट से अमित बलोदी, अशोक बिष्ट, समर्पण सोसाईटी से मानसी मिश्रा तथा सेवा संस्था से शमिना सिद्दकी ने बालश्रमिकों व भिक्षावृत्ति से सम्बन्धित बच्चों के रेस्क्यू व पुनर्वास में आने वाली चुनौतियों को साझा किया गया। सचिव, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के प्रतिनिधि मोहित चौधरी भी मौजूद रहे।

बालश्रम वाले बच्चों को गोद लें: रेखा

देहरादून, कार्यालय संवाददाता। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने बालश्रम वाले एक-एक बच्चे को गोद लेने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कहीं न कहीं बच्चों को बालश्रम में धकेलने के जिम्मेदार हम ही हैं। हम ही अच्छे समाज के निर्माण के लिए बालश्रम वाले एक-एक बच्चे को गोद ले सकते हैं। हम आगे बढ़ेंगे तो दूसरे लोग भी इससे प्रेरणा लेंगे।

उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने बालश्रम, बाल भिक्षावृत्ति उन्मूलन एवं पुनर्वास पर सर्वे चौक स्थित आईआरडीटी ऑडिटोरियम में शनिवार को एक दिनी कार्यशाला आयोजित की थी। इस दौरान महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि अनेक मौकों पर उन्होंने बच्चों के बीच काम करने वाली संस्थाओं की स्थिति देखी तो इनके पास बच्चे थे, लेकिन राशन नहीं। ऐसे बच्चे आसपास किसी शादी-ब्याह वाली जगह से भोजन पाते थे। ऐसे

शनिवार को दून में आईआरडीटी सभागार में बाल आयोग की राज्य स्तरीय कार्यशाला में बोलतीं कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या। • हिन्दुस्तान

कामों को बंद कराया गया। यहां यूथ इनोवेशन संस्था ने नाटक दिखाया। बचपन बचाओ आंदोलन के राज्य समन्वयक सुरेश उनियाल, उपनिदेशक माध्यमिक शिक्षा जगमोहन सोनी, ऑपरेशन मुक्ति पर सीओ सिटी (एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट) नीरज

बालश्रम अभिभावकों द्वारा प्रेरित: खन्ना

आयोग अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना ने बालश्रम, बाल भिक्षावृत्ति उन्मूलन, पुनर्वास जैसे मुद्दों पर जागरूकता के साथ सभी विभागों को एकजुट होकर काम करने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि बालश्रम, भिक्षावृत्ति संगठित माफिया क्राइम न होकर अभिभावकों द्वारा प्रेरित है और इसका कारण गरीबी, अज्ञानता, निम्न स्तर की जीवनशैली है। डीजीपी अशोक कुमार ने ऑपरेशन मुक्ति पर कहा कि भिक्षावृत्ति एवं बालश्रम रोकने के लिए नुक्कड़ नाटक कराए जा रहे हैं। ऐसे परिवारों की काउंसलिंग की जरूरत है।

सेमवाल ने रिपोर्ट पेश की। इस दौरान विधि अधिकारी-बाल आयोग ममता रौथाण, नोडल अधिकारी डॉ. अर्जुन सिंह सेंगर, अंजना गुप्ता, गायत्री देवी, दीपिका पंवार, गिरीश डिमरी, अमित बलोदी, अशोक बिष्ट, मानसी मिश्रा, शमिना सिद्दीकी ने भी विचार रखे।

बाल विधान सभा में विधान सभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी ने किया बाल विधायकों से संवाद

गोपेश्वर (बद्री विशाल)। उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग और प्लान इंडिया इंटरनेशनल के तत्वावधान में गैरसैण में मंगलवार को आयोजित बाल विधानसभा में उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण ने पहुंचकर 70 बाल विधायकों से सीधा संवाद कर उनका मार्गदर्शन कियाद्य इस मौके पर ऋतु खडूडी ने विधानसभा के सत्र संचालन एवं विधायी कार्यो से जुड़ी जानकारी बाल विधायकों के साथ साझा की।

विधानसभा अध्यक्ष ने आयोजन समिति को बाल विधानसभा का सत्र भराड़ीसैण विधानसभा भवन में आयोजित करने का सुझाव दिया था जिसपर समिति ने बाल विधानसभा का द्वितीय सत्र भराड़ीसैण विधानसभा भवन के परिसर में आयोजित किया। चतुर्थ बाल विधान सभा के द्वितीय सत्र के कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष की ओर से कार्यक्रम में उपस्थित सभी बाल विधायकों को सम्बोधित किया गया, जिसमें विधानसभा की कार्यवाही और प्रश्नकाल सत्र के सम्बन्ध में प्रतिभागियों से वार्ता की गई। प्रतिभागी बाल विधायकों की ओर से विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण से प्रश्नकाल और विधानसभा की प्रकिया से सम्बन्धित मुद्दो पर विस्तृत रूप से बातचीत कर अपने सवाल का संतोषजनक उत्तर प्राप्त किया गया।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण ने कहा कि बाल विधानसभा के यह 70 बाल विधायक प्रदेश के लाखों बच्चों के साथ-साथ देश के भविष्य के भी प्रतिनिधि हैं। ऐसे जागरूक बच्चे देश की समस्याओं के समाधान और भविष्य में नीति निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगे।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा की बाल विधानसभा के आयोजन के दौरान, बच्चों को लोकतंत्र, सरकार, चुनाव, वक्ता का महत्व, नीतियों का प्रभाव, और न्यायपालिका के रोल के बारे में सीखने का मौका मिलता है। विधानसभा में होने वाली वक्तव्यों, वोटिंग प्रक्रिया, और संविधान के महत्वपूर्ण प्रावधानों के बारे में जानकारी उन्हें मिलती है। बाल विधानसभा बच्चों को समाजिक और राजनीतिक मुद्दों के बारे में सोचने, विचार करने और अपने विचारों को व्यक्त करने की प्रेरणा देता है।

बता दें कि बाल विधानसभा का दो दिवसीय सत्र रविवार से गैरसैंण विधानसभा भवन के परिसर में शुरू हुआ। बाल विधानसभा में चयनित 70 बाल विधायकों की ओर से बाल मुख्यमंत्री, बाल विधानसभा अध्यक्ष, बाल नेता प्रतिपक्ष के अलावा बाल कैबिनेट मंत्रियों का निर्वाचन किया जाता है। इसके बाद बाल विधानसभा का गठन किया जाता है जिसमें राज्य के ज्वलंत मुद्दों, रजनीतिक गतिविधियों, स्वास्थ्य मिशन, कानून और न्याय व्यवसथा, पेयजल, विद्युत समेत विभिन्न समस्याओं पर बाल सदन में चर्चा होती है। बाल मुख्यमंत्री रोहित परियार, बाल उपमुख्यमंत्री दीक्षा खर्कवाल, बाल विधानसभा अध्यक्ष श्याम पाठक, बाल विधानसभा उपाध्यक्ष भूमिका रौथान सहित सभी 70 बाल विधायकगणों ने विधानसभा में चर्चा की। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी भूषण, कर्णप्रयाग विधायक अनिल नौटियाल, बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डा. गीता खन्ना, बाल अधिकार संरक्षण आयोग के प्रभारी सदस्य विनोद कपरवाण, प्लान इण्डिया के अधिकारी गोपाल थपलियाल, ब्लॉक प्रमुख गैरसैंण शशि सोरीयाल, नगर पंचायत अध्यक्ष पुष्कर सिंह रावत, जिला पंचायत सदस्य बलबीर सिंह, मंडल अध्यक्ष कस्तूरबा देवी आदि मौजूद थे।

सांध्य दैनिक
देवपथ
आस-पास
देहरादून, मंगलवार 06 जून 2023 (8)

बाल विधायक अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक निष्ठा व लगन से करें कार्य: ऋतु खंडूड़ी

गैरसैंण,06 जून (नि०स०)। उत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोग के मार्गदर्शन में प्लान इण्डिया द्वारा बाल विधानसभा द्वितीय सत्र के द्वितीय दिवस मंगलवार को आयोग गैरसैंण विधानसभा में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण द्वारा बाल विधायकों को विधानसभा परिसर का भ्रमण कराते हुये विधानसभा की कार्यवाही व प्रक्रिया की जानकारी प्रदान करते हुये किया गया। बाल विधानसभा सत्र का प्रारम्भ विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण व अनिल नौटियाल, विधायक कर्णप्रयाग, आयोग की अध्यक्ष डा0 गीता खन्ना, विशिष्ट अतिथि विनोद कपरवाण, अनुसचिव, डा0 एसके सिंह, बाल मुख्यमंत्री रोहित परिहार व बाल उप मुख्यमंत्री दीक्षा खरकवाल द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। आयोग की अध्यक्ष डा.गीता खन्ना व सदस्य विनोद कपरवाण द्वारा विधानसभा अध्यक्ष ऋतु

खण्डूडी भूषण का स्वागत शॉल व मोमेंटों भेंट कर किया गया व अनिल नौटियाल, विधायक कर्णप्रयाग का अभिनन्दन आयोग के अनुसचिव, डा एसके सिंह द्वारा शॉल व मोमेंटों भेंट कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि के स्वागत हेतु सरस्वती विद्यामन्दिर गैरसैंण विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा स्वागत गीत व सांस्कृतिक कार्यक्रम कर किया गया।

कार्यक्रम में गोपाल थपलियाल, प्रोजेक्ट मैनेजर, प्लान इण्डिया द्वारा बाल विधायकों द्वारा पूर्व में किये गये छः माह के कार्यो पर प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किया गया। बाल विधानसभा के मुख्यमंत्री रोहित परिहार द्वारा अपना उद्बोधन दिया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना द्वारा बाल विधान सभा में उपस्थित सभी बाल विधायकों, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी, सभी विभागों से उपस्थित अधिकारियों का कार्यक्रम में स्वागत किया गया तथा बच्चों से भविष्य की कार्यप्रणाली पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

विधायक अनिल नौटियाल, विधायक, कर्णप्रयाग द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी बाल विधायकों, अधिकारियों व सहयोगियों का अभिनन्दन करते हुये विधानसभा क्षेत्र भराणीसेंण गैरसैंण में कार्यक्रम कराये जाने हेतु अभार व्यक्त किया।

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी द्वारा बाल विधान सभा में नियुक्त मंत्री मंडल व बाल विधायकों से वार्ता की गई व उनके द्वारा पूछे गये प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर प्रदान किया गया तथा बाल विधायकों को उनके क्षेत्र में अधिक से अधिक निष्ठा व लगन से कार्य किये जाने हेतु प्रेरित किया गया। आयोग की अध्यक्ष डा. गीता खन्ना से बाल विधायकों द्वारा दिये गये प्रस्तावों व नितियों पर कार्यवाही करते हुये ठोस कदम उठाये जाने की बात कही गई तथा बाल विधायकों को जिलावार कार्य किये जाने को कहा व खुद से पूर्ण ईमानदारी के साथ अपने कार्य को किये जाने पर बल दिया।

कार्यक्रम में महिला कल्याण से जिला प्रोबेशन अधिकारी मीना बिष्ट, स्वास्थ्य विभाग से अर्जुन रावत, श्री धनंजय लिंगवाल, डीपीओ चमोली, शशि सौरियाल, ब्लाक प्रमुख, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष कस्तुरा झिंग्वाण, भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष लक्ष्मी रावत, बाल कल्याण समिति चमोली अध्यक्ष/सदस्य, शिक्षा विभा, उपशिक्षा अधिकारी लखपत सिंह रावत, शंकर सिंह बिष्ट, जिला शिक्षा अधिकारी, धर्म सिंह रावत, स्वास्थ्य विभाग, चमोली, डा0 महेन्द्र सिहं, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे। अंजना गुप्ता, उपमुख्य परिवीक्षा अधिकारी के द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। कार्यक्रम में आयोग की टीम से विधि अधिकारी ममता रौथाण, बाल मनोवैज्ञानिक निशात इकबाल, कनिष्ठ सहायक शान्ति भट्ट व व्यक्तिक सहायक विशाल चाचरा तथा प्लान इण्डिया की टीम उपस्थित रही।

हर क्षेत्र में आगे हैं हमारी बेटियां और रहेंगी : राज्यपाल

जागरण संवाददाता, देहरादून : राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि आज भी बेटियां हर क्षेत्र में आगे हैं और भविष्य में आगे ही रहेंगी। क्योंकि वो जो ठान लेती हैं, उसे पूरा कर दिखाती हैं। इसका ही परिणाम है कि आज विश्वविद्यालयों में छात्रों की अपेक्षा 70 प्रतिशत अधिक छात्राएं गोल्ड मेडलिस्ट हैं। बेटियों के लिए सरकार कई योजनाएं चला रही है, जिनका लाभ उठाना चाहिए।

बुधवार को राजभवन में उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की ओर से राष्ट्रीय बालिका दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिनका मुख्य अतिथि राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) एवं विशिष्ट अतिथि राज्यपाल की पत्नी गुरमीत कौर ने दीप जलाकर शुभारंभ किया। इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि बेटियां विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर देश का नाम रोशन कर रही हैं। उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डा. गीता खन्ना ने बताया कि कार्यक्रम में राज्यपाल ने 'छूने चली आसमान देखो' फीचर फिल्म को भी लांच किया। यह फिल्म चिकित्सा, खेल, बैंकिंग, सेना व पुलिस जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली बेटियों के संघर्ष पर आधारित है। कार्यक्रम में वीरता पुरस्कार पाने से रह गई बच्ची पौड़ी गढ़वाल की आराधना व देहरादून की नाजिया को सम्मानित किया गया। इसके अलावा उत्कृष्ट कार्य कर रहे बाल विधायक में देहरादून की भूमिका रौथाण, चंपावत की दीक्षा खर्कवाल एवं सुमेधा, उधम सिंह नगर की काजल कश्यप का भी सम्मान हुआ। वहीं उत्कृष्ट कार्य कर रही गीतिका शर्मा, प्रज्ञा भारद्वाज, राजेंद्र प्रसाद, गुरमीत सिंह, मंजू शर्मा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर बाल आयोग के सदस्य दीपक गुलाटी ने कहा कि बेटियां हमारे भविष्य की नींव हैं। सरकार ने मातृशक्ति को स्वरोजगार से जोड़ने एवं बेटियों को शिक्षित व आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया है। इस मौके पर उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स, मूरत राम नौटियाल, विश्वास डाबर, कैलाश पंत, विनोद कपरवाण, विशाल चावला, रेखा रौतेला, उर्वशी चौहान आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर राजभवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने सम्मानित किया। इस मौके पर प्रथम महिला गुरमीत कौर, बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डा. गीता खन्ना व बालिका के स्वजन भी मौजूद रहे • सौजन्य: सूचि

पुलिस ने छात्राओं के लिए लगाई पाठशाला

देहरादून : राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर पुलिस ने स्कूली छात्राओं के लिए विधिक अधिकारों व सुरक्षा के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। बालिकाओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए पुलिस ने आत्मरक्षा के भी गुर सिखाए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह के निर्देश पर देहरादून के समस्त थाना क्षेत्रों में पुलिस ने स्कूलों में छात्राओं, समाज के विभिन्न वर्गों की बालिकाओं को उनके अधिकारों तथा अपराधों के प्रति जागरूक किया। यौन शोषण, बाल विवाह, बाल श्रम आदि के संबंध में जानकारी दी गई। महिला पुलिसकर्मियों ने विधिक अधिकार बताए। छात्राओं को किसी भी आपराधिक घटना का विरोध करने व सूचना पुलिस व स्वजन को देने के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आत्मरक्षा का प्रशिक्षण भी दिया गया। बालिकाओं व महिलाओं को पुलिस ने गौरा-शक्ति एप भी डाउनलोड कराया।

नैनीताल, मंगलवार 6 जून, 2023 वि

बाल विधानसभा के पहले दिन दी गई योजनाओं की जानकारी

उत्तर उजाला ब्यूरो

देहरादून/गैरसैंण। सोमवार को उत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोग के मार्गदर्शन में प्लान इण्डिया द्वारा बाल विधानसभा द्वितीय सत्र का आयोजन गैरसैंण विधानसभा में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आयोग की अध्यक्ष डा.गीता खन्ना, विशिष्ट अतिथि विनोद कपरवाण व अनुसचिव डा.एसके सिंह, बाल विधानसभा स्पीकर श्याम पाठक व बाल उपविधानसभा स्पीकर भूमिका रौथाण द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

आयोग के अनुसचिव द्वारा मुख्य अतिथि अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि सदस्य विनोद कपरवाण का शॉल भेंट कर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में बाल विधायकों द्वारा पूर्व में किये गये छः माह का प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किया गया। बाल विधानसभा अध्यक्ष श्याम पाठक व बाल उपविधानसभा अध्यक्ष भूमिका रौथाण द्वारा अपना उद्बोधन दिया गया।

कार्यक्रम में महिला कल्याण से जिला प्रोबेशन अधिकारी मीना बिष्ट द्वारा महिला कल्याण की वर्तमान में संचालित योजनाओं से बाल विधायकों को अवगत कराया गया साथ ही बताया गया कि राज्य सरकार द्वारा संचालित हैल्पलाईन को एकरूपता प्रदान की जा रही है, जिससे बाल विधायकों को अवगत कराया गया।

स्वास्थ्य विभाग से अर्जुन रावत ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित व क्रियान्वित योजनाओं तथा विभागीय योजनाओं पर चली रही कार्यवाही से बाल विधायकों को अवगत कराया गया। कोविड काल में स्वास्थ्य विभाग द्वारा दुर्गम क्षेत्रों में आपातकालीन सुविधाओं व विपत्ति के समय में स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई कार्यवाही से अवगत कराया गया।

उत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अनुसचिव डा. एसके सिंह द्वारा बाल विधायकों को महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजनाओं से अवगत कराया गया, जिसमें मुख्यमंत्री महालक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, नन्दा गौरा योजना व प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह को पोषण दिवस के रूप में मनाए जाने के बारे में विस्तार से बताया गया।

बाल विधानसभा स्पीकर श्याम पाठक व सुमेधा उपाध्याय, नेता प्रतिपक्ष द्वारा अवगत कराया गया कि बाल विधायकों को अनुसचिव द्वारा प्रदान की गई जानकारी प्रेरणादायक व लाभकारी लगी। पूर्व 6 माह में किये गये कार्यों को समस्त बाल विधायकों तथा विभिन्न विभागों से उपस्थित अधिकारियों के साथ साझा किया गया। उत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की विधि अधिकारी ममता रौथाण द्वारा बाल अधिकारों व बालक बालिकाओं की सुरक्षा व शक्तियों से बाल विधानसभा में बाल विधायकों को अवगत कराया गया।

उत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष द्वारा समस्त अधिकारीगणों, बाल विधायकों, प्लान इण्डिया का अभिनन्दन कर स्वागत किया गया। बाल विधायकों द्वारा पूर्व छः माह में किये गये कार्यों के लिये अभिवादन करते हुये पूर्ण आत्मविश्वास, आत्म निर्भता के साथ अपने क्षेत्र में कार्य किये जाने हेतु कहा गया। बाल विधायकों को अपने परिवारजनों व अध्यापकों का सम्मान, पर्यावरण सुरक्षा, स्वच्छता पर कार्य किये जाने हेतु जोर दिया तथा अपने क्षेत्र के ग्राम प्रधानों से समन्वयन स्थापित कर समाज में फैली अनुचित गतिविधियों को रोकने हेतु प्रयास किये जाने पर जोर दिया तथा साथ हैल्थ, सेनिटेशन एण्ड न्यूट्रीशियन कमेटी के बारे में पढ़ते हुये जानकारी प्राप्त कर कार्यवाही किये जाने की बात कही। इस क्रम में सभी बाल विधायकों, विभिन्न विभागों से उपस्थित अधिकारियों का अभिनन्दन कर सत्र का समापन किया गया।

सूचना

सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय परिसर, अल्मोड़ा में विभिन्न विषयों में शैक्षिक कार्यों हेतु अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति हेतु वॉक-इन इण्टरव्यू दिनांक 14-06-2023 को निर्धारित किए गए हैं। पदों के विवरण एवं विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट ssju.ac.in पर उपलब्ध है।

प्रभारी, कुलसचिव

सूचना

मेरे पुत्र नायक सूबेदार राजेन्द्र सिंह 542804Y के सैन्य अभिलेखों में नाम

बाल विधायक अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक निष्ठा व लगन से करें कार्य: स्पीकर

गैरसैंण भराडीसैंण(संवाददाता)। उत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोग के मार्गदर्शन में प्लान इण्डिया द्वारा बाल विधानसभा द्वितीय सत्र के द्वितीय दिवस गैरसैंण भराडीसैंण विधानसभा में किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण द्वारा बाल विधायकों को विधानसभा परिसर का भ्रमण कराते हुये विधानसभा की कार्यवाही व प्रक्रिया की जानकारी प्रदान करते हुए किया गया।

इस अवसर पर बाल विधानसभा सत्र का प्रारम्भ विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण व अनिल नौटियाल विधायक कर्णप्रयाग, आयोग की अध्यक्ष डाक्टर गीता खन्ना, विशिष्ट अतिथि विनोद कपरवाण, अनुसचिव, डाक्टर एस के सिंह, बाल मुख्यमंत्री रोहित परिहार व बाल उप मुख्यमंत्री दीक्षा खरकवाल द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर आयोग की अध्यक्ष डा.गीता खन्ना व सदस्य विनोद कपरवाण द्वारा विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण का स्वागत शॉल व मोमेंटों भेंट कर किया गया व अनिल नौटियाल, विधायक कर्णप्रयाग का अभिनन्दन आयोग के अनुसचिव, डाक्टर एस के सिंह द्वारा शॉल व मोमेंटों भेंट कर किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि के स्वागत हेतु सरस्वती विद्यामन्दिर गैरसैंण विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा स्वागत गीत व सांस्कृतिक कार्यक्रम कर किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में गोपाल थपलियाल, प्रोजेक्ट मैनेजर, प्लान इण्डिया द्वारा बाल विधायकों द्वारा पूर्व में किये गये छः माह के कार्यों पर प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किया गया। बाल विधानसभा के मुख्यमंत्री रोहित परिहार द्वारा अपना उद्बोधन दिया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना द्वारा बाल विधान सभा में उपस्थित सभी बाल विधायकों, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी, सभी विभागों से उपस्थित अधिकारियों का कार्यक्रम में स्वागत किया गया तथा बच्चों से भविष्य की कार्यप्रणाली पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस अवसर पर विधायक कर्णप्रयाग अनिल नौटियाल द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी बाल विधायकों, अधिकारियों व सहयोगियों का अभिनन्दन करते हुये विधानसभा क्षेत्र गैरसैंण भराडीसैंण में कार्यक्रम कराये जाने हेतु आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी द्वारा बाल विधान सभा में नियुक्त मंत्री मंडल व बाल विधायकों से वार्ता की गई व उनके द्वारा पूछे गये प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर प्रदान किया गया तथा बाल विधायकों को उनके क्षेत्र में अधिक से अधिक निष्ठा व लगन से कार्य किये जाने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर आयोग की अध्यक्ष डा. गीता खन्ना से बाल विधायकों द्वारा दिये गये प्रस्तावों व नितियों पर कार्यवाही करते हुये ठोस कदम उठाये जाने की बात कही गई तथा बाल विधायकों को जिलावार कार्य किये जाने को कहा व खुद से पूर्ण ईमानदारी के साथ अपने कार्य को किये जाने पर बल दिया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में महिला कल्याण से जिला प्रोबेशन अधिकारी मीना बिष्ट, स्वास्थ्य विभाग से अर्जुन रावत, धनंजय लिंगवाल, डीपीओ चमोली, शशि सौरियाल, ब्लाक प्रमुख, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष कस्तुरा झिंग्वाण, भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष लक्ष्मी रावत, बाल कल्याण समिति चमोली अध्यक्षध्सदस्य, शिक्षा विभा, उपशिक्षा अधिकारी लखपत सिंह रावत, शंकर सिंह बिष्ट, जिला शिक्षा अधिकारी, धर्म सिंह रावत, स्वास्थ्य विभाग, चमोली, डाक्टर महेन्द्र सिंह, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अंजना गुप्ता, उपमुख्य परिवीक्षा अधिकारी के द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। कार्यक्रम में आयोग की टीम से विधि अधिकारी ममता रौथाण, बाल मनोवैज्ञानिक निशात इकबाल, कनिष्ठ सहायक शान्ति भट्ट व व्यक्तिक सहायक विशाल चाचरा तथा प्लान इण्डिया की टीम उपस्थित रही।

इस अवसर पर कार्यक्रम में आयोग के सदस्य विनोद कपरवाण व अनुसचिव डा एसके सिंह द्वारा विधानसभा के हेम चन्द्र पंत, प्रभारी सचिव, चन्द्र मोहन गोस्वामी, संयुक्त सचिव, नरेन्द्र सिंह रावत, उपसचिव का शॉल व मोमेंटों भेंट कर कार्यक्रम को सफल रूप से क्रियान्वित किये जाने में सहयोग प्रदान किये जाने हेतु अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर सदस्य विनोद कपरवाण द्वारा विधानसभा अध्यक्ष व विधायक कर्णप्रयाग का कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किये जाने हेतु अभिनन्दन कर कार्यक्रम का समापन किया गया। द्वितीय दिवस के कार्यक्रम का समापन विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण व अनिल नौटियाल, विधायक कर्णप्रयाग, आयोग की अध्यक्ष डा. गीता खन्ना, सदस्य विनोद कपरवाण, अनुसचिव, डा. एस के सिंह, बाल मुख्यमंत्री रोहित परिहार व बाल उप मुख्यमंत्री दीक्षा खरकवाल ने विधानसभा परिसर में पौधारोपण कर किया गया।

बाल विधानसभा द्वितीय सत्र के पहले दिन दी गई योजनाओं की जानकारी

गैरसैंण, संवाददाता। सोमवार को उत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोग के मार्गदर्शन में प्लान इण्डिया द्वारा बाल विधानसभा द्वितीय सत्र का आयोजन गैरसैंण विधानसभा में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ आयोग की अध्यक्ष डा. गीता खन्ना, विशिष्ट अतिथि विनोद कपरवाण व अनुसचिव, डा एसकेसिंह, बाल विधानसभा स्पीकर श्याम पाठक व बाल उपविधानसभा स्पीकर भूमिका रौथाण द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। आयोग के अनुसचिव द्वारा मुख्य अतिथि अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि सदस्य विनोद कपरवाण द्वारा शॉल भेंट कर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में बाल विधायकों द्वारा पूर्व में किये गये छः माह का प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किया गया। बाल विधानसभा अध्यक्ष श्याम पाठक व बाल उपविधानसभा अध्यक्ष भूमिका रौथाण द्वारा अपना उद्बोधन दिया गया।

कार्यक्रम में महिला कल्याण से जिला प्रोबेशन अधिकारी मीना बिष्ट द्वारा महिला कल्याण की वर्तमान में संचालित योजनाओं से बाल विधायकों को अवगत कराया गया साथ ही बताया गया कि राज्य सरकार द्वारा संचालित हेल्पलाईन को एकल्पना प्रदान की जा रही है, जिससे बाल विधायकों को अवगत कराया गया। स्वास्थ्य विभाग से अर्जुन रावत द्वारा स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित व

क्रियान्वित योजनाओं तथा विभागीय योजनाओं पर चलाये गये कार्यक्रमों से बाल विधायकों को अवगत कराया गया। कोविड काल में स्वास्थ्य विभाग द्वारा दुर्गम क्षेत्रों में आपातकालीन सुविधाओं व स्थिति के समय में स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई कार्यवाही से अवगत कराया गया।

उत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अनुसचिव डा एसकेसिंह द्वारा बाल विधायकों को महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजनाओं से अवगत कराया गया, जिसमें मुख्यमंत्री महालक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, नन्दा गौरा योजना व प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह को पोषण दिवस के रूप में मनाये जाने के बारे में विस्तार से बताया गया। बाल विधानसभा स्पीकर श्याम पाठक व सुमेधा उपाध्याय, नेता प्रतिपक्ष द्वारा अवगत कराया गया कि बाल विधायकों को अनुसचिव महोदय द्वारा प्रदान की गई जानकारी प्रेरणादायक व लाभकारी रही तथा पूर्व 6 माह में किये गये कार्यों को समस्त बाल विधायकों तथा विभिन्न विभागों से उपस्थित अधिकारियों के साथ साझा किया गया। उत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की विधि अधिकारी ममता रौथाण द्वारा बाल अधिकारों व बालक बालिकाओं की सुरक्षा व अधिकारों से बाल विधानसभा में बाल विधायकों को अवगत कराया गया।

इस क्रम में सभी बाल विधायकों, विभिन्न विभागों से उपस्थित अधिकारियों का अभिनन्दन कर सत्र का समापन किया गया।

बाल विधानसभा सत्र का विस अध्यक्ष ने किया शुभारंभ

अपने क्षेत्र में निष्ठा व लगन से करें कार्य: खंडूड़ी, विधानसभा की कार्यवाही व प्रक्रिया पर दी जानकारी

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो

uttarbharatlive.com

बाल विधानसभा सत्र का शुभारंभ करती विधानसभा अध्यक्ष।

गैरसैंअणऊउत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोऊके मार्ऊदर्शन में प्लान इंडिया द्वारा बाल विधानसभा द्वितीय सत्र के द्वितीय दिवस मंऊलवार को आयोऊ ऊैरसैंण विधानसभा में किया उया। कार्यक्रम का शुभ विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण द्वारा बाल विधायकों क विधानसभा परिसर का भ्रमण कराते हुए विधानसभा की कार्यवाही व प्रक्रिया की जानकारी प्रदान करते हुए किया उया।

कार्यक्रम में विधायक अनिल नौटियाल, आयोऊकी अध्यक्ष डा ऊीता खन्ना, विशिष्ट अतिथि विनोद कपरवाण, अनुसचिव, डा एसके सिंह, बाल मुख्यमंत्री रोहित परिहार व बाल उप मुख्यमंत्री दीक्षा खरकवाल द्वारा दीप प्रज्वलन किया उया। आयोऊकी डा.ऊीता खन्ना व सदस्य विनोद कपरवाण द्वारा विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण का करशॉल व मोमेंटों भेंट कर किया उया अध्यक्ष व अनिल नौटियाल, विधायक कर्णप्रयाऊका अभिनन्दन आयोऊके अनुसचिव, डा एसके सिंह द्वारा शॉल स्वाऊत व मोमेंटों भेंट कर किया उया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि के स्वाऊत हेतु सरस्वती विद्यामन्दिर ऊैरसैंण विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा स्वाऊत ऊीत व सांस्कृतिक कार्यक्रम कर उया। कार्यक्रम में ऊेपाल थपलियाल, प्रोजेक्ट मैनेजर, प्लान इण्डिया द्वारा बाल विधायकों द्वारा पूर्व में किये उये छः माह के कार्यों पर प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किया उया। बाल विधानसभा के मुख्यमंत्री रोहित परिहार द्वारा अपना उद्बोधन दिया उया।

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी द्वारा बाल विधान सभा में नियुक्त मंत्री मंडल व बाल विधायकों से वार्ता की उई व उनके द्वारा पूछे उये प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर प्रदान किया और बाल विधायकों को उनके क्षेत्र में अधिक से अधिक निष्ठा व लऊन से कार्य किये जाने हेतु प्रेरित किया उया। आयोऊ की अध्यक्ष डा. ऊीता खन्ना से बाल विधायकों द्वारा दिये उये प्रस्तावों व शिकायतों पर कार्यवाही करते हुये ठोस कदम उठाये जाने की बात कही उई तथा बाल विधायकों को जिलावार कार्य किये जाने को कहा व खुद से पूर्ण ईमानदारी के साथ अपने कार्य को किये जाने पर बल दिया। कार्यक्रम में आयोऊके सदस्य श्री विनोद कपरवाण व अनुसचिव डा एसके सिंह द्वारा विधानसभा के हेमचन्द्र पंत, प्रभारी सचिव, चन्द्र मोहन ऊेस्वामी, संयुक्त सचिव, नरेन्द्र सिंह रावत, उपसचिव का शॉल व मोमेंटों भेंट कर कार्यक्रम को सफल रूप से क्रियांवित किये जाने में सहयोऊ प्रदान किये जाने हेतु अभिनन्दन किया उया।

बाल अधिकारों एवं बाल सुरक्षा के संबंध में संवेदीकरण व जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

अल्मोड़ा। देवेन्द्र पींचा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में सीओ अल्मोड़ा विमल प्रसाद द्वारा आज दिनांक 16.01.2024 को उत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोग के तत्वाधान में अल्मोड़ा नगर के स्प्रिंगडेल्स स्कूल में आयोजित जागरूकता कार्यशाला में प्रतिभाग किया गया। सीओ अल्मोड़ा द्वारा कार्यशाला में उपस्थित छात्र–छात्राओं को साईबर क्राईम के प्रति जागरूक करते हुए बताया कि वर्तमान में साईबर क्राईम का प्रचलन काफी बढ़ चुका है। साईबर अपराधी आजकल नये–नये तरीकों से लोगों को प्रलोभन देकर मोबाइल में लिंक, क्यूआर कोड व ओटीपी के माध्यम से उनके साथ धोखाधड़ी कर उनका पैसा हड़प लेते हैं। साईबर क्राईम से बचने के लिए किसी भी प्रकार के प्रलोभन, झांसे में नहीं आना चाहिए और न ही अनजान लोगों से अपने खाता सम्बन्धी जानकारी शेयर नहीं करनी चाहिए, जागरूक रहकर साईबर क्राईम से बचा सकता है। साईबर क्राईम से सम्बन्धित मामलों में सहायता हेतु साईबर क्राईम हेल्पलाईन नम्बर 1930 व नजदीकी थाने में तत्काल शिकायत दर्ज करें और इस जानकारी को अपने परिजनों व परिचितों से साझा करने हेतु प्रेरित किया गया। सोशल मीडिया के माध्यम से हो रहे अपराधों के प्रति सचेत करते हुए कहा कि सोशल मीडिया में किसी भी अंजान व्यक्ति से बात नहीं करने और अपनी निजी जानकारी किसी के साथ शेयर नहीं करने हेतु बताया गया तथा सोशल मीडिया पर बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि नशे के सेवन से व्यक्ति का शारीरिक नुकसान तो होता ही है साथ ही जो व्यक्ति नशा करता है उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा भी समाप्त हो जाती है, सभी बच्चों को नशा मुक्त जीवन जीने हेतु प्रेरित किया गया। अवैध रूप से नशीले पदार्थ बेचने वालों की सूचना पुलिस को देने हेतु बताया गया। जागरूकता कार्यशाला में अल्मोड़ा ट्रैफिक पुलिस के निरीक्षक यातायात गणेश सिंह हरड़िया, उ0नि0 यातायात अनुज आर्या व कुमिल पाण्डे द्वारा प्रचलित 34 वें सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत छात्र–छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि नाबालिग द्वारा वाहन चलाना कानूनन अपराध है, इसमें नाबालिग के अभिभावकों को सजा का प्रावधान है, सभी बच्चों को बालिग होने तक वाहन नहीं चलाने की उचित हिदायत दी गयी। यातायात नियमों, संकेतों व चिन्हों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर पालन करने व अपने परिजनों व परिचितों को भी यातायात नियमों के पालन हेतु प्रेरित करने को कहा गया। इस दौरान छात्र–छात्राओं को यातायात नियमों व संकेतों, चिन्हों से सम्बन्धित जागरूकता पम्पलेट वितरित किये गये।

बाल अधिकारों का संरक्षण तभी होगा जब समाज में इसके बारे में जागरूकता आयेगी–गीता खन्ना

राजीव कर्नाटक

अल्मोड़ा। बाल अधिकारों का संरक्षण तभी होगा जब समाज में इसके बारे में जागरूकता आयेगी यह बात आज अध्यक्ष उत्तराखण्ड बाल संरक्षण आयोग गीता खन्ना ने स्प्रिंग डेल्स सीनियर सैकण्डरी स्कूल में आयोजित कार्यशाला में कही।उन्होंने कहा कि हमारा प्रथम ध्येय है कि हर किसी को सामाजिक न्याय व बच्चों के प्रति उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाय इसके लिए सभी अभिभावकों,जिला प्रशासन,न्याय विभाग,राजनैतिक व हर स्तर पर बाल अधिकारों की चर्चा होगी तो स्वतः ही हम उसके लिए काम कर सकेंगे। उन्होंने कार्यशाला में उपस्थित छात्र–छात्राओं को बाल अधिकारों की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि सभी को अपने अधिकारों के बारे में जानकारी प्राप्त होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा दी जाने वाले अधिकारों और योजनाओं की सही जानकारी न होने के कारण कई लोग सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने से वंचित रह जाते है। उन्होंने कहा कि निर्धन लोगों के बच्चे भी अच्छे स्कूलों से शिक्षा प्राप्त कर सके इसके लिए उत्तराखण्ड सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बाल संरक्षण आयोग जनपद स्तर पर इसी लिए कार्यशाला का आयोजन कर रहा है ताकि प्रत्येक जनपद जनपद में जाकर सम्बन्धित विभागों, बच्चों के साथ काम कर रहे एनजीओ एवं अध्यापकों आदि से मिले।उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा बाल विकास सभा का गठन किया गया है।इनके द्वारा स्कूलों,आँगनबाड़ी केन्द्रों व शिशु सदनों में बच्चों के बीच जाकर संवाद स्थापित किया जा रहा है तथा उनकी समस्याओं को जानने एवं उनका समाधान किये जाने का कार्य किया जा

रहा है। इनके द्वारा यह भी देखा जा रहा है कि सरकारी एवं गैर सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत् बच्चों का वहाँ पर बाल अधिकारों का किसी भी रूप में हनन तो नहीं हो रहा है।उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड बाल संरक्षण आयोग द्वारा कोचिंग संस्थानों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।इन संस्थानों के लिए अभी कोई मापदण्ड नही है न ही वे किसी निगरानी में कार्य कर रहे है।कार्यशाला में पुलिस उपाधीक्षक विमल प्रसाद द्वारा उपस्थित छात्र–छात्राओं को सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी दी। शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा शिक्षा नीति के बारे में भी जानकारी प्रदान की गयी। कार्यक्रम में सदस्य बाल आयोग विनोद कपरवान,सुमन राय,अजय वर्मा,रेखा रौतेला भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश बहुगुणा,पूर्व जिलाध्यक्ष रवि रौतेला,जिला महामंत्री महेंद्र बिष्ट जिला प्रोबेशन अधिकारी कल्पना मनराल, जिला कार्यक्रम अधिकारी पीताम्बर प्रसाद, इन्सपेक्टर गणेश सिंह हरड़िया, अयूब अली, बाल विकास विभाग से पी सी जोशी, योगेश कुमार, गीता जोशी, नीलिमा जोशी, विनीत बिष्ट,मनोज जोशी, अंकित पाण्डे, सुशील सोहन लाल, ज्योत्सना सोहन लाल, विपुल कार्की, अशोक जलाल, नवजोत जोशी, त्रिलोक लटवाल, रघु तिवारी, आनन्द बल्लभ काण्डपाल सहित अनेक स्कूलों के छात्र–छात्रायें एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

सोशल मीडिया से बढ़ी चुनौती किशोरों पर निगरानी जरूरी

देहरादून, वरिष्ठ संवाददाता। उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की तीन दिनी कार्यशाला के आखिरी दिन किशोरों के मानसिक विकास और स्वास्थ्य पर व्याख्यान हुए। विशेषज्ञों ने साइबर क्राइम और नशाखोरी की रोकथाम के साथ बच्चों के अधिकार, दत्तक ग्रहण प्रक्रिया और संस्थागत पुर्नवास में आने वाली दिक्कतों पर कानूनी-सामाजिक दृष्टिकोण से विचार करने पर जोर दिया।

जीएमएस रोड स्थित होटल सेफरॉन लीफ में बाल अधिकारों पर कार्यशाला के तीसरे एवं आखिरी दिन फॉरगिवनेश फाउंडेशन के मनोवैज्ञानिक पवन शर्मा ने कहा कि अभिभावकों के साथ शिक्षकों को बच्चों के साथ बेहद सतर्क होकर काम करने की जरूरत है। मौजूदा दौर में मोबाइल, टीवी और सोशल मीडिया के प्रचलन ने सबकी चुनौतियों को कई गुना बढ़ा दिया है। उन्होंने इससे निपटने के लिए स्कूलों में विशेषज्ञों के नियमित व्याख्यान कराने का सुझाव दिया। चंडीगढ़ आयोग अध्यक्ष शिप्रा बंसल ने आयोग के क्रियान्वयन, कार्यप्रणाली और उपयोगिता से भी रूबरू कराया। उत्तराखंड बाल अधिकार आयोग अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए। इसके बाद सभी सदस्य संध्याकालीन गंगा आरती के लिए परमार्थ निकेतन ऋषिकेश रवाना हो गए। इस दौरान आयोग सदस्य दीपक गुलाटी, विनोद कपरुवाण, अजय वर्मा, रेखा रौतेला, सचिव प्रदीप रावत, अनु सचिव डॉ. एसके सिंह मौजूद रहे।

■ बाल अधिकार संरक्षण आयोग की कार्यशाला में विशेषज्ञों ने किया मंथन

कार्यशाला

बाल आयोग की राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ समापन

'चाइल्ड वेलफेयर कमेटी का गठन किया जाए'

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की ओर से आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन बुधवार को हो गया। इस दौरान जस्टिस रवींद्र मैठाणी कार्यशाला में ऑनलाइन जुड़े। उन्होंने बाल आयोग की ओर से किए जा रहे कार्यों की सराहना की और कहा कि बाल हित के लिए ग्रामीण लेवल पर चाइल्ड वेलफेयर कमेटी का गठन किया जाना चाहिए। इस विषय पर काम करने की जरूरत है।

तीन दिवसीय कार्यशाला में 'इमर्जिंग पॉलिसी शिफ्ट्स फॉर स्ट्रेंथनिंग चाइल्ड राइट्स' विषय पर बात हुई। इसमें 18 राज्यों के बाल आयोग के अध्यक्ष भी जुड़े थे। समापन सत्र में फॉरगिवनेश फाउंडेशन के मनोवैज्ञानिक पवन शर्मा ने बच्चों व किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर बात की। उन्होंने कहा कि माता पिता को बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

उत्तराखंड बाल आयोग की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना ने कहा कि किशोरावस्था और उस समय होने वाले परिवर्तन के समय बच्चों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। बाल आयोग बच्चों के हित के लिए हमेशा आगे रहता है। कोविड महामारी के बाद राजस्थान बाल अधिकार संरक्षण आयोग के बाद उत्तराखंड दूसरा ऐसा राज्य है जो राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला का सफल आयोजन करा पाया है। आयोग के सदस्य अजय वर्मा ने कहा कि आयोग विभिन्न जनपदों में कार्यशाला का आयोजन कर बाल हितों के लिए लोगों को जागरूक करता रहता है।

आयोग की सदस्य रेखा रौतेला ने बाल हितों के विभिन्न मुद्दों पर राष्ट्रीय स्तर पर गहन चर्चा की।

संस्थागत पुनर्वास की समस्याओं पर होगी बात

बाल आयोग के सदस्य विनोद कपरवाण ने साइबर क्राइम, नशा, शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य व बच्चों के अधिकार, दत्तक ग्रहण प्रक्रिया, संरक्षण और देखभाल की आवश्यकता पर बात की। उन्होंने कहा कि बच्चों के संस्थागत पुनर्वास के लिए आने वाली समस्या निवारण किया जाएगा। चंडीगढ़ बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष शिप्रा बंसल ने अपनी कविता का मनमोहा। कार्यशाला में एडिफाई विद्यालय के छात्र-छात्राओं की सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ समापन किया गया।

अभिभावक को आयोग ने स्कूल से दिलाई राहत

देहरादून, वरिष्ठ संवाददाता। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग में शिकायत के बाद एक स्कूल को अभिभावक को फीस के एक लाख तीस हजार रुपये वापस लौटाने पड़े।

शिकायतकर्ता सिद्धार्थ शर्मा ने रानीपोखरी के एक स्कूल में अपने तीन बच्चों का दाखिला कराया। उस वक्त स्कूल ने पढ़ाई समेत तमाम सुविधाओं को लेकर जो वादे किए थे, उसमें जब अभिभावक ने कमी देखी तो अपने बच्चों को वहां से निकालने का फैसला लिया। साथ ही, शुल्क वापसी और क्षतिपूर्ति को लेकर आयोग में वाद दायर कर दिया। तमाम अड़चनों के बाद आयोग में सुनवाई हुई। जिला शिक्षा अधिकारी की रिपोर्ट के बाद आयोग के माध्यम से दोनों पक्ष आपसी समझौते को तैयार हो गए। इधर, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अनु सचिव डॉ. एसके सिंह ने बताया कि इस मामले में दोनों पक्षों के बीच समझौते के बाद निस्तारण हो गया। स्कूल की ओर से अभिभावक को दिए गए चेक की प्रति आयोग को भी मिल गई है।

- रानीपोखरी के एक स्कूल से वापस दिलवाया वार्षिक शुल्क और क्षतिपूर्ति
- तीन बच्चों का कराया था दाखिला, सेवा में कमी पर दर्ज करवाई थी शिकायत

दिव्यांग खिलाड़ी को भी वापस मिले फीस के पैसे

दुबई की व्हीलचेयर रेस में रिकॉर्ड बनाने वाली पैरा एथलीट होप टेरेसा डेविड को दून के दस स्कूलों में प्रवेश न मिलने का मामला सुर्खियों में रहा था। इस छात्रा को मोथरोवाला स्थित एक स्कूल ने विकलांग कोटे से प्रवेश तो दिया, मगर बाहरी राज्य के स्कूल में दाखिला होने पर जब स्कूल से फीस वापस मांगी गई तो प्रबंधन आनाकानी करने लगा। अभिभावक ने आयोग में शिकायत की। इस मामले में आयोग के हस्तक्षेप के बाद फीस के 35 हजार रुपये स्कूल की ओर से वापस किए गए। आयोग अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना ने बताया, प्रवेश न देने वाले स्कूलों पर कार्रवाई को कहा गया है।

हिन्दुस्तान www.livehindustan.com

उत्तराखंड को बालश्रम से मुक्त करना लक्ष्य: रेखा

बाल आयोग की मेजबानी में शुरू हुई राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला

दून में सोमवार को उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की ओर से आयोजित कार्यशाला का शुभारम्भ करती रेखा आर्या।

- कहा- राज्य सरकार कर रही महिलाओं को सशक्त
- सीएम धामी ने कार्यशाला के लिए भेजा अपना संदेश

देहरादून, वरिष्ठ संवाददाता। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार ने महिला व बाल अधिकारों को सशक्त करने के लिए कई अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। महिलाओं को सरकारी नौकरी में तीस फीसदी आरक्षण का निर्णय इसी पहल का परिणाम है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रदेश को बाल श्रम से पूरी तरह मुक्त कराना है। मौके पर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी कार्यशाला की सफलता के लिए अपना संदेश भेजा, जिसे मौके पर प्रसारित भी किया गया।

उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा जीएमएस रोड स्थित सेफरॉन लीफ होटल में आयोजित बाल अधिकार पर तीन दिनी राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी व सीएम पुष्कर सिंह धामी ने महिलाओं के हित में जो निर्णय लिए हैं, उनके बारे में पूर्ववर्ती सरकारों ने कभी सोचा भी नहीं। राज्य सभा सांसद नरेश बंसल ने कहा कि महिला व बाल अपराधों की रोकथाम मसले पर सरकार ने प्रभावी पहल की है, राज्य सरकार भी अच्छा काम कर रही है। आयोग अध्यक्ष गीता खन्ना ने कार्यशाला में शामिल विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों का स्वागत किया। पहले दिन के तकनीकी सत्र में करुणा नारंग, संध्या मिश्रा, पीटर एफ बोर्गस ने बाल अपराध, चुनौतियों पर विचार रखे। मौके पर स्वयं सेवी संस्था प्लान इंडिया द्वारा तैयार दो पुस्तकों व कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया गया। पद्मश्री जागर गायिका बसंती बिष्ट ने जागर प्रस्तुति दी। मौके पर महिला आयोग अध्यक्ष कुसुम कंडवाल, कला एवं संस्कृति परिषद अध्यक्ष मधु भट्ट, आयोग सदस्य विनोद कपरुवाण, दीपक गुलाटी, अजय वर्मा, रेखा रौतेला, अंजना गुप्ता, निशांत इकबाल, आयोग सचिव प्रदीप रावत, अनुसचिव डॉ.एसके सिंह आदि मौजूद थे।

निरीक्षण | बाल आयोग की अध्यक्ष ने प्राइमरी विद्यालय तीपरपुर सभावाला का किया निरीक्षण, खंड शिक्षा अफसर को उचित कदम उठाने के निर्देश

एक कमरे में पढ़ते मिले तीन कक्षाओं के छात्र-छात्राएं

देहरादून/विकासनगर, हिटी। उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग अध्यक्ष गीता खन्ना ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय तीपरपुर सभावाला और प्राथमिक विद्यालय तीपरपुर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में कई खामियां पाई गईं।

बाल आयोग अध्यक्ष ने देखा कि विद्यालय परिसर में शौचालय गंदे और बदबूदार अवस्था में हैं। प्राथमिक विद्यालय तीपरपुर में छात्रों की कुल संख्या 117 है। कम अध्यापक होने के कारण विद्यालय में एक ही कक्ष में कक्षा 1, 2 व 4 के छात्रों को पढ़ाया जा रहा है। एक कक्ष में कक्षा 3 व 5 के छात्रों को पढ़ाया जा रहा था। इस स्थिति पर आयोग अध्यक्ष ने खंड शिक्षा अधिकारी से तत्काल उचित कदम उठाने को कहा। राउप्रावि तीपरपुर में निरीक्षण के दौरान आयोग अध्यक्ष को कक्षा छह के छात्रों ने बताया कि स्कूल से मिलने वाली किताबें उन्हें जुलाई में मिली हैं। इस विद्यालय में कुल छात्र संख्या 61 है। बच्चों से संवाद में आत्मविश्वास व सामाजिक ज्ञान में कमी पाई गई। जिस पर उन्होंने प्रधानाध्यापक को प्रार्थना सभा में प्रतिदिन समाचार पत्र पढ़वाने व सुविचार दिए जाने को कहा। शिक्षकों की कमी व अन्य परेशानियों पर विद्यालय प्रबंध समिति व अभिभावकों से चर्चा कर शिक्षा विभाग को संस्तुति भेजने का आश्वासन दिया। मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी विकासनगर, बीआरसी विकासनगर भी मौजूद रहे।

विकासनगर के सभावाला स्कूल में बुधवार को बाल आयोग की अध्यक्ष ने जायजा लिया।

घोटाले की शिकायत पर औचक निरीक्षण: क्षेत्रीय केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा गठित टीम ने विकासनगर क्षेत्र के निजी स्कूल का औचक निरीक्षण किया। शिकायत प्राप्त हुई थी कि सोसायटी रजिस्ट्रेशन में भी नाम परिवर्तन कर घोटाला किया गया है। टीम ने अपनी आख्या अभी लंबित रखी है। आयोग अध्यक्ष गीता खन्ना ने इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर उच्च स्तरीय कार्यवाही करने की अनुशंसा की है।

छात्रावास से लापता हो गया छात्र

औचक निरीक्षण में हुआ खुलासा

बाल संरक्षण आयोग ने सुभाष चंद्र बोस छात्रावास और स्कूल का किया निरीक्षण

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। उत्तराखंड बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना ने शुक्रवार को देहरादून के आराघर स्थित सुभाष चंद्र बोस छात्रावास और किड्स जी रेसकोर्स स्कूल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्हें छात्रावास से एक छात्र के गायब होने की जानकारी मिली।

बाल संरक्षण आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक निरीक्षण में पता चला कि कक्षा आठ पास कर चुका छात्र शिवम 19 अप्रैल से किसी को बिना बताए छात्रावास से गायब है। छात्रावास द्वारा स्थानीय थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। छात्र को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नशे से मुक्त करवा कर सुभाषचंद्र बोस छात्रावास में भर्ती करवाया गया था। इसी तरह छात्र राजवीर कुछ समय पहले भाग गया था। बाद में उसके माता-पिता को सुपुर्द कर दिया गया और गौरव नामक छात्र भी मार्च में बिना बताए कहीं चला गया था। विकास सिंह व अन्य पांच छह छात्र अनुपस्थित मिले। आयोग की ओर से पूछने पर बताया गया कि वे बच्चे छुट्टी पर हैं।

10 दिन में दस्तावेज उपलब्ध करवाने के निर्देश

निरीक्षण के मुताबिक किड्स जी स्कूल एक निजी भवन में चल रहा था जिसकी राज्य सरकार से कोई मान्यता नहीं ली गई है। इसमें 60 बच्चे पढ़ रहे थे उन्हें किताबें, बस्ता, जूते किड्स जी द्वारा दिए जा रहे हैं। इन सभी कमियों को बाद बाल संरक्षण आयोग की ओर से यह निर्देश दिया गया, किड्स जी स्कूल और सुभाष चंद्र छात्रावास सभी दस्तावेज के साथ 10 दिन में आयोग में उपलब्ध करवाएं।

विस अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी ने की बाल विधानसभा कार्यक्रम की सराहना, बाल मुख्यमंत्री रोहित परिहार ने सदन को संबोधित किया

गैरसैंण में प्रदेश भर से आए छात्रों ने सजाई विधानसभा

बाल विधानसभा

'ऑनलाइन फ्रॉड का शक होने पर तुरंत स्क्रीनशॉट लें और नंबर को ब्लॉक न करें'

बाल अधिकार संरक्षण आयोग की राष्ट्रीय कार्यशाला के दूसरे दिन बोले डीएसपी साइबर अंकुश मिश्रा

संवाद न्यूज एजेंसी

सांस्कृतिक प्रस्तुति देते स्कूली बच्चे। –अमर उजाला

मानव तस्करी के बारे में दी जानकारी

कार्यक्रम में इन्होंने किया सहयोग

'बच्चों को फोन दें तो पैरेंटल कंट्रोल के साथ'

'बाल विवाह पर रोक लगा रही सरकार'

बाल अधिकारों के संरक्षण को आयोग प्रतिबद्धः डॉ. गीता खन्ना

- उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्षा ने 1 साल के कार्यकाल की उपलब्धियों और कार्यों को मीडिया के साथ किया साझा
- एक साल में 110 शिकायतों का किया गया निस्तारण

देहरादून: उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना ने कहा कि पिछले 1 साल में आयोग ने कई महत्वपूर्ण कार्यों को अंजाम दिया है। उन्होंने कहा कि बाल अधिकारों के संरक्षण को आयोग पूरी तरह प्रतिबद्ध है। आयोग अध्यक्ष ने कहा कि उनके 1 साल के कार्यकाल में 280 शिकायतें दर्ज की गई जिनमें से 70 शिकायतों का स्वतः संज्ञान लिया गया। इनमें से 110 शिकायतों का निस्तारण किया गया, जिनमें कुछ पुरानी शिकायतें भी थी।

[illegible]

आयोग में तैनात नहीं है सचिव व अनुसचिव

[illegible]

बाल आयोग छात्रों को करेगा जागरूक

देहरादून : उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग स्कूलों में बाल अधिकारों के प्रति छात्रों को जागरूक करेगा। इसके लिए अभियान चलाया जाएगा। आयोग ने अभियान को सफल बनाने के लिए चार टीमें गठित की हैं। जिसमें सामाजिक संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

आयोग के सदस्य विनोद कपरवाण ने बताया कि बाल अधिकारों से जुड़ी जानकारी साझा करने के लिए स्कूलों में अभियान चलाया जाएगा। इसमें पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य विभाग की टीम शामिल होंगी। बाल अधिकार के क्षेत्र में धरातल पर कार्य कर रहे विशेषज्ञ जानकारी साझा करेंगे। स्कूलों को बाल आयोग ने पत्र जारी कर दिया है। फरवरी में राष्ट्रीय कार्यशाला में छात्र-छात्राएं हिस्सा ले सकेंगे।(जासं)

संस्कारवान शिक्षा, भारतीय संस्कृति परम्पराओं पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिये : डा गीता खन्ना

बैठक में विचार रखती बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डा गीता खन्ना।

पंजाब केसरी

विकासनगर, 27 मई (सुरेश)। पछवादून के शिक्षण संस्थानो में बच्चो के अधिकार हनन से सम्बन्धित मामलो में वृद्धि होने पर बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डा गीता खन्ना की अध्यक्षता में द सेपियन्स स्कूल में बैठक हुई। शनिवार को हुई बैठक मे विकासनगर क्षेत्र के विद्यालयो, शिक्षण संस्थाओं के प्रधानाचार्यो, निदेशको, प्रबन्धको से बाल अधिकारो के हनन जैसे गम्भीर विषयो पर विस्तार से चर्चा की गयी। बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डा गीता खन्ना ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यालयो, शिक्षण संस्थानो को शिक्षा के अधिकार अधिनियम-2009 का अनुशरण करने के लिए निर्देशित करना है। भविष्य मे बाल अधिकारो के हनन की घटना की पुनरावृत्ति न हो, शिक्षा को संस्कारवान, भारतीय संस्कृति परम्पराओं पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाना चाहिये। बैठक में आयोग सदस्य विनोद कपरवाण, अनुसचिव डा एसके सिंह, सहोदय के अध्यक्ष एसडी त्यागी, विधि अधिकारी ममता रौथाण, सहायक व्यक्तिक अध्यक्ष विशाल चावला, मानसी, समीना आदि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा/बागेश्वर जागरण

जन जागरूकता से ही होगा बाल अधिकारों का संरक्षण : गीता

उत्तराखंड बाल संरक्षण आयोग अध्यक्ष खन्ना ने कार्यशाला में किया जागरूक

अल्मोड़ा स्थित स्प्रिंग डेल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कार्यक्रम में मौजूद मुख्य अतिथि उत्तराखंड बाल संरक्षण आयोग अध्यक्ष गीता खन्ना और मौजूद छात्र-छात्राएं • जागरण

जागरण संवाददाता, अल्मोड़ा : स्प्रिंग डेल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मंगलवार को बाल अधिकारों पर कार्यशाला व संवाद कार्यक्रम हुआ। उत्तराखंड बाल संरक्षण आयोग अध्यक्ष गीता खन्ना ने कहा कि बाल अधिकारों का संरक्षण तभी होगा, जब समाज में इसके बारे में जागरूकता आएगी। उन्होंने छात्र-छात्राओं को बाल अधिकारों के प्रति जागरूक किया। इसको लेकर जिले में भी तमाम जागरूकता कार्यक्रम करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में उत्तराखंड बाल संरक्षण आयोग अध्यक्ष गीता खन्ना ने कहा कि हमारा प्रथम ध्येय है कि

- छात्र-छात्राओं को बाल अधिकारों दी गई जानकारी

हर किसी को सामाजिक न्याय व बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए। इसके लिए सभी अभिभावकों, जिला प्रशासन, न्याय विभाग, राजनैतिक व हर स्तर पर बाल अधिकारों की चर्चा होगी तो खुद ही हम उसके लिए काम कर सकेंगे। उन्होंने छात्र-छात्राओं को बाल अधिकारों की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि सभी को अपने अधिकारों के बारे में जानकारी प्राप्त होनी चाहिए। सरकार की ओर से दिए जाने वाले

- सभी को अपने अधिकारों के बारे में जानकारी प्राप्त होनी चाहिए

अधिकारों और योजनाओं की सही जानकारी न होने के कारण कई लोग सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने कहा कि निर्धनों के बच्चे भी अच्छे स्कूलों से शिक्षा प्राप्त कर सकें, इसके लिए उत्तराखंड सरकार कार्य कर रही है। जिला स्तर पर आयोग इसी तरह कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है, जिससे विभाग बच्चों के लिए काम कर सके। आयोग ने बाल विकास सभा का गठन किया है। स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों व शिशु सदनों में बच्चों के बीच जाकर संवाद स्थापित किया जा रहा है। इस मौके पर पुलिस उपाधीक्षक विमल प्रसाद ने सड़क सुरक्षा के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश बहुगुणा, महामंत्री धर्मेंद्र बिष्ट, पूर्व जिलाध्यक्ष रवि रौतेला, जिला प्रोबेशन अधिकारी कल्पना मनराल, जिला कार्यक्रम अधिकारी पीतांबर प्रसाद, यातायात निरीक्षक गणेश सिंह हरड़िया, एसआई अयूब अली, बाल विकास विभाग से पीसी जोशी, योगेश कुमार, गीता जोशी, नीलिमा जोशी मौजूद रहे।